Dainik Bhaskar (Indore), 31st October 2022, Front Page – 02

इंदौर-खंडवा फोर लेन • पर्यावरण मंत्रालय की रीजनल एंपॉवर्ड कमेटी की बैठक के बाद 34 किमी का प्रोजेक्ट फिर अटका

तेजाजी नगर से बलवाड़ा तक सड़क चौड़ीकरण में फिर पेंच; मंत्रालय ने NHAI से प्लांटेशन की डिटेल मांगी, रेलवे की NOC भी जरूरी

भास्कर संवाददाता | इंदौर

इंदौर-खंडवा फोर लेन स्वीकृति में फिर पेंच आ गया है। 7 अक्टूबर को भोपाल में हुई पर्यावरण मंत्रालय की रीजनल एंपॉवर्ड कमेटी की बैठक में इंदौर-खंडवा फोर लेन के तेजाजी नगर चौराहा से बलवाड़ा तक के हिस्से की अनुमति को लेकर चर्चा हुई। मंत्रालय ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) से अंडरपास व ओवरपास की स्ट्रक्चरल डिटेल के साथ ही सड़क किनारे किए जाने वाले प्लांटेशन और 7 साल तक उनके रखरखाव, पोषण संबंधी जानकारी और खर्च का ब्योरा मांगा है। रेलवे की एनओसी भी मांगी गई है। इसके बाद ही पहले चरण की स्वीकृति दी जाएगी। बैठक के बाद उक्त निर्देश 19 अक्टूबर को जारी हुए हैं।

34 किलोमीटर की सड़क बनना है इस हिस्से में

1163 करोड़ रुपए की स्वीकृति मार्च में ही मिल गई थी।

7 अक्टूबर को हुई बैठक के विस्तृत निर्देश 19 अक्टूबर को जारी किए गए

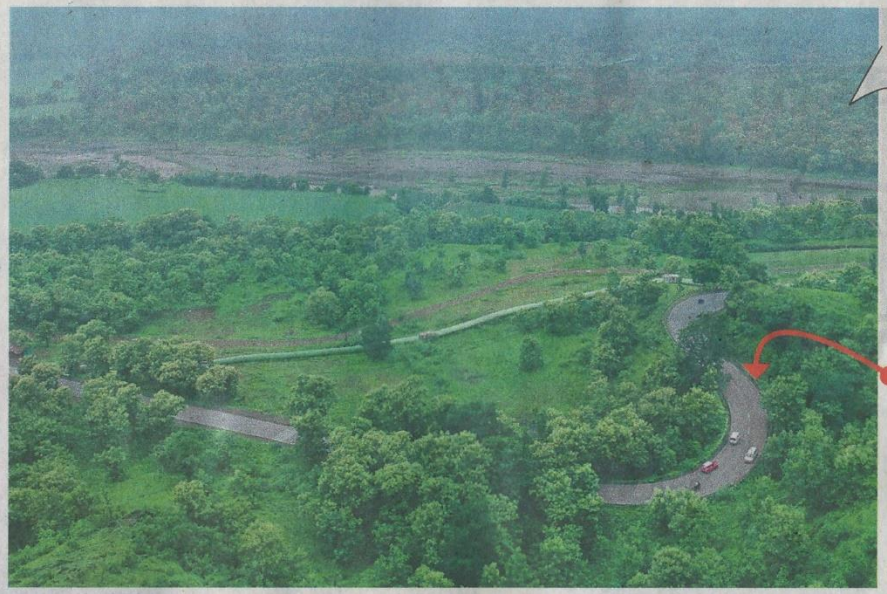

भेरूघाट सेक्शन में सघन वन क्षेत्र, वन्य प्राणियों का मूवमेंट भी, लंबे समय से अटकी है स्वीकृति

दरअसल, तेजाजी नगर से बलवाड़ा के हिस्से में भेरूघाट भी आ रहा है। यहां पर वन्य प्राणी और सघन वन क्षेत्र होने के चलते पर्यावरण मंत्रालय से स्वीकृति काफी लंबे समय से अटकी हुई है। इसे लेकर पहले भी पर्यावरण मंत्रालय ने आईआईटी इंदौर से पूरी कार्ययोजना का विश्लेषण कर रिपोर्ट मांगी थी। उसे भी प्रस्तुत किया जा चुका है। मंत्रालय ने सड़क निर्माण के वक्त खुदाई और निकलने वाली मिट्टी व मलबे के निस्तारण को लेकर भी स्कीम की जानकारी मांगी थी, जो अक्टूबर में ही दी गई थी।

मंत्रालय का सुझाव था- मौजूदा सड़क को ही चौड़ा कर दें

वन मंत्रालय ने यह भी सुझाव दिया था कि सड़क चौड़ीकरण में लगभग 14 हजार पेड़ काटे जाएंगे, ऐसे में मौजूदा मार्ग का चौड़ीकरण क्यों नहीं किया जा सकता। तब सरकार व एनएचएआई ने कहा था कि मौजूदा सड़क को चौड़ा करना इसलिए संभव नहीं है, क्योंकि उस पर वाहनों का दबाव काफी ज्यादा है और बड़ी मात्रा में चट्टानों की भी कटाई करना पड़ेगी। इसी वजह से जो प्रस्ताव एनएचएआई ने दिया है, उसे ही स्वीकृत किया जाए।